भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3334

गुरुवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

गुजरात के द्वारका में सांस्कृतिक और तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास

3334 श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाई:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय ने पवित्र नगरी द्वारका और अंबाजी मंदिरों के लिए कोई सांस्कृतिक अवसंरचना विकास योजना प्रस्तावित या स्वीकृत की है;

(ख) द्वारका के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और पर्यटन संवर्धन हेतु प्रसाद या अन्य योजनाओं के अंतर्गत आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मंत्रालय इस क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है; और

(घ) तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं में सुधार लाने और द्वारका तथा अंबाजी को एक अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक विरासत स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से गुजरात सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत गुजरात राज्य में द्वारका और अंबाजी मंदिर के आसपास पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**
1.	द्वारका का विकास	2016-17	10.46
2.	अंबाजी मंदिर, बनासकांठा, गुजरात में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2022-23	50.00

इन परियोजनाओं के अंतर्गत, पर्यटन मंत्रालय ने समग्र पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटक सुविधा केंद्र, संपर्क मार्ग और पार्किंग, क्यू कॉम्प्लेक्स, छायादार विश्राम क्षेत्र, पेयजल सुविधा, जनसुविधा, संकेतक, स्थल का विकास अर्थात भू-दृश्यांकन और सौंदर्यीकरण आदि जैसी विभिन्न सुविधाएं विकसित की हैं।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयासों के तहत गुजरात सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का कार्यक्रमों, वेबसाइट, सोशल मीडिया प्रचार, मेलों और महोत्सवों आदि जैसे प्रचार संबंधी कार्यकलापों के माध्यम से संवर्धन करता है।

*****